प्रेस नोट–वामा सारथी. 01 / 2026
दिनॉकः 06.02.2026

मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश।

वामा सारथी द्वारा "18 वामा स्वावलंबन केन्द्र" का शुभारम्भ तथा वामा सारथी एवं उ0प्र0 कौशल विकास मिशन के मध्य समझौता ज्ञापन (MoU)

- **पुलिस मुख्यालय में "18 वामा स्वावलंबन केन्द्रों" का उद्घाटन कर पुलिस परिवारों के सर्वांगीण सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई।**
- **उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन तथा कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के मध्य समझौता ज्ञापन (MoU) का आदान–प्रदान किया गया।**
- **MoU के तहत ब्यूटीशियन, डिजिटल मित्र, सैम्पल टेलरिंग, डिजिटल मार्केटिंग एवं ई–कॉमर्स जैसे रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों हेतु कार्यशालाओं का आयोजन ।**
- **प्रथम चरण में पुलिस परिवार के 1,700 युवाओं एवं महिलाओं की भागीदारी।**
- **Lakme, Revlon, VLCC, Singhania Group, GROYYO, RSWM Bhilwadaa, Raymond एवं NASSCOM आदि प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से उच्च स्तरीय प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान कर पुलिस कर्मियों के परिजनों को आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाने का लक्ष्य ।**

आज दिनॉकः 06.02.2026 को पुलिस मुख्यालय सिग्नेचर बिल्डिंग के अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद ऑडिटोरियम में श्रीमती मीनाक्षी सिंह अध्यक्षा वामा सारथी (उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन) एवं डा0 हरिओम प्रमुख सचिव व्यवसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग उ0प्र0 शासन द्वारा बटन दबाकर ''18 वामा स्वावलंबन केन्द्र" (लखनऊ, वाराणसी, कानपुर नगर, प्रयागराज, आगरा, अलीगढ़, बांदा, बरेली, मुरादाबाद, गोरखपुर, बस्ती, गोण्डा, झॉसी, अयोध्या, मेरठ, मुजफ्फरनगर, आजमगढ़ एवं मीरजापुर) का उद्घाटन किया गया। यह पहल पुलिस परिवारों विशेषकर महिलाओं, बच्चों एवं आश्रितों के सर्वांगीण विकास एवं सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

तत्पश्चात अध्यक्षा वामा सारक्षी एवं प्रमुख सचिव व्यवसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग उ0प्र0 के मध्य एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) का आदान–प्रदान किया गया। यह (MoU) उ0प्र0 कौशल विकास मिशन के सहयोग से पुलिस कर्मियों, उनके परिजनों एवं आश्रितों को व्यवसायिक कौशल प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर एवं स्वावलम्बी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

उक्त समझौता ज्ञापन (MoU) के तहत कौशल विकास मिशन के सहयोग से ब्यूटीशियन, डिजिटल मित्र, सैम्पल टेलरिंग, डिजिटल मार्केटिंग एवं ई–कॉमर्स जैसे रोजगारोन्मुखी कोर्सेज संचालित किये जाने हेतु कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा । कार्यक्रम के प्रथम चरण में 1,700 से अधिक युवाओं एवं महिलाओं द्वारा इसमें प्रतिभाग किया जा रहा है। कार्यशालाओं में प्रतिष्ठित सपोर्टिंग पार्टनर्स Lakme, Revlon, VLCC, Singhania Group, GROYYO, RSWM Bhilwadaa, Raymond एवं NASSCOM के सहयोग से उत्तम स्तर की प्रेक्टिकल ट्रेनिंग प्रदान की जायेगी। उक्त कार्यक्रम का **मुख्य उद्देश्य** पुलिस परिवार की महिलाओं एवं युवाओं को व्यावसायिक कौशल प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना, रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर सृजित कर आर्थिक स्वावलंबन को बढ़ावा देना तथा कौशल आधारित प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को मुख्य धारा से जोड़ना है।

अध्यक्षा वामा सारथी श्रीमती मीनाक्षी सिंह जी ने अपने सम्बोधन में प्रदेश के 18 जनपदों में एक साथ प्रारंभ हुए कौशल विकास कार्यक्रम के लिए सभी अतिथियों, पुलिस परिवारों, महिलाओं एवं प्रशिक्षणार्थियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के सहयोग से तीन वर्षों के लिए हुए एमओयू को पुलिस परिवारों के युवाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण केवल कौशल अर्जन तक सीमित नहीं है, बल्कि सुरक्षित आर्थिक भविष्य, आत्मविश्वास और रोजगार/स्वरोजगार की ओर बढ़ने का सशक्त माध्यम है। वामा सारथी का उद्देश्य समय की मांग के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण, मार्केट–ओरिएंटेड और नेशनल–लेवल मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है। प्रतिभागियों की रुचि के आधार पर डेटा एंट्री एवं ऑफिस असिस्टेंट, डिजिटल मित्र, डिजिटल मार्केटिंग एवं ई–कॉमर्स, तथा ब्यूटीशियन व सैंपल टेलरिंग जैसे कोर्स चयनित किए गए, जिनमें बड़ी संख्या में प्रशिक्षणार्थियों ने सहभागिता की।

उन्होंने यह भी कहा कि आज के दौर में केवल शिक्षा पर्याप्त नहीं है, बल्कि व्यावहारिक कौशल, डिजिटल साक्षरता, वित्तीय सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और उद्यमिता आवश्यक हैं, क्योंकि भविष्य में नौकरियों का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। पुलिस परिवारों की विशिष्ट परिस्थितियों को देखते हुए उन्होंने युवाओं और महिलाओं से कौशल प्रशिक्षण से जुड़कर अपने आत्मविश्वास और रोजगार संभावनाओं को सुदृढ़ करने का आह्वान किया।

श्रीमती मीनाक्षी सिंह जी ने विभिन्न राष्ट्रीय ब्रांड्स, प्रशिक्षण संस्थानों और इंडस्ट्री पार्टनर्स के सहयोग की सराहना करते हुए दीर्घकालिक योजना के साथ प्रशिक्षण को रोजगार और उद्यमिता से जोड़ने पर बल दिया। उन्होंने ऑरेंज इकोनॉमी, क्रिएटिव सेक्टर्स और महिला उद्यमिता की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए भविष्य में पुलिस लाइन्स में संचालित होने वाले ब्यूटी स्टूडियो, बुटीक, टेलरिंग शॉप्स और डिजिटल सेंटर्स को पुलिस परिवारों द्वारा संचालित किए जाने का विजन साझा किया।

अंत में उन्होंने वामा वालंटियर्स, जिला वामा हेड्स, नोडल अधिकारियों, विभिन्न टीमों और सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया तथा प्रशिक्षणार्थियों से कोर्स को पूरी लगन से पूर्ण कर रोजगार एवं उद्यमिता के लिए प्रतिबद्ध रहने का आह्वान किया।

पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 श्री राजीव कृष्ण ने अपने संबोधन में पुलिस विभाग की कठिन कार्यप्रणाली और लंबे कार्य घंटों का उल्लेख करते हुए पुलिस परिवार के कल्याण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता और नैतिक जिम्मेदारी बताया। उन्होंने 'वमा सारथी' संस्था द्वारा पिछले आठ महीनों में शिक्षा, स्वास्थ्य और विशेष रूप से कौशल विकास के क्षेत्र में किए गए कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह संगठन पुलिस बल को एक मजबूत डोर में बांधने का कार्य कर रहा है। उन्होंने माननीय मुख्यमंत्री के विजन का संदर्भ देते हुए स्पष्ट किया कि जब पुलिसकर्मी अपने परिवार के भविष्य के प्रति निश्चिंत रहेंगे, तभी वे पूरी एकाग्रता के साथ प्रदेश की कानून व्यवस्था को साकार रूप दे सकेंगे।

कौशल विकास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होने कहा कि ज्ञान और क्रियाशीलता का संगम होना अनिवार्य है। उन्होंने कौशल विकास मिशन और उद्योग जगत के बीच के गैप को कम करने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि युवाओं को बाजार की मांग के अनुसार तैयार किया जा सके। उन्होंने पुलिस परिवार के सदस्यों को प्रोत्साहित किया कि वे केवल नौकरी खोजने वाले न बनें, बल्कि स्टार्टअप के माध्यम से जोखिम उठाने का हौसला रखें और दूसरों के लिए रोजगार सृजित करने वाले उद्यमी बनें।

संबोधन के अंत में उन्होंने इस योजना की विशिष्टता बताते हुए कहा कि प्रशिक्षणार्थियों को घर बैठे ही उच्च स्तरीय तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त होगा और उन्हें स्थानीय स्तर पर ही रोजगार के अवसर मिलेंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सही ट्रेनर, सही अवसर और सही वातावरण के इस संगम से पुलिस परिवार के सदस्य आर्थिक रूप से सशक्त होंगे। पुलिस महानिदेशक महोदय ने इस पूरी पहल को धरातल पर उतारने के लिए कौशल विकास विभाग के अधिकारियों, वामा सारथी की टीम और सभी सहयोगी भागीदारों का आभार व्यक्त किया।

प्रमुख सचिव, व्यावसायिक शिक्षा ,कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग, डॉ. हरिओम द्वारा अपने संबोधन में कौशल विकास विभाग की बदलती छवि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विभाग की पहचान संसाधनों से नहीं, बल्कि उसकी क्रियाशीलता और विजन से बनती है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश स्किल मिशन ने कम समय में देश भर में अपनी एक विशिष्ट पहचान स्थापित की है। 'वामा सारथी' के साथ इस समन्वय को उन्होंने एक ऐतिहासिक पहल बताया, जिसके माध्यम से पुलिस परिवारों के विशाल नेटवर्क को कौशल विकास से जोड़ने का अवसर प्राप्त हुआ है।

उन्होंने जयशंकर प्रसाद की पंक्तियों के माध्यम से यह संदेश दिया कि केवल ज्ञान अर्जित करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि जब तक ज्ञान का क्रिया (Action) के साथ समन्वय नहीं होगा, तब तक वांछित विकास संभव नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कौशल विकास विभाग इसी ज्ञान और क्रिया के बीच के अंतर को समाप्त करने का कार्य कर रहा है।

पुलिस परिवारों की विशिष्ट आवश्यकताओं को देखते हुए, प्रमुख सचिव ने नियमों में किए गए महत्वपूर्ण बदलावों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस परिवारों के लिए आयु सीमा को 18–35 से बढ़ाकर 18–45 वर्ष कर दिया गया है, ताकि परिवार के अधिक सदस्य इसका लाभ उठा सकें। साथ ही, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि पुलिस परिवारों को अपने निवास स्थान से दूर न जाना पड़े। उन्होंने भविष्य में इन कोर्सेज को 4 से बढ़ाकर 20 क्षेत्रों तक ले जाने का लक्ष्य रखा और विश्वास व्यक्त किया कि 'वमा सारथी' के साथ मिलकर यह मिशन पुलिस परिवारों के आर्थिक सशक्तिकरण में मील का पत्थर साबित होगा।

मिशन निदेशक, उत्तर प्रदेश कौशल विकास, श्री पुलकित खरे ने 'स्वावलंबन केंद्रों' के उद्घाटन को पुलिस परिवारों के लिए दूरदर्शी एवं स्थायी पहल बताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 18 मंडल मुख्यालयों पर इन केंद्रों के माध्यम से एक साथ 1700 पुलिस परिवारों को आजीविका संवर्धन से जोड़ा जा रहा है।

उन्होंने बताया कि कौशल विकास मिशन के अंतर्गत 30 क्षेत्रों में 500 से अधिक निःशुल्क शॉर्ट–टर्म कोर्स प्रदेश के सभी 75 जनपदों में संचालित हैं, जो स्वरोजगार, वेतन रोजगार एवं भविष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति में सहायक हैं। अंत में उन्होंने इस पहल को सस्टेनेबल बताते हुए इसे 18 मंडलों से बढ़ाकर प्रदेश के सभी 75 जनपदों तक विस्तार देने का लक्ष्य रखा।

कार्यक्रम के दौरान **श्रीमती तूलिका सिंह, असिस्टेंट हेड, वीएलसीसी** लखनऊ द्वारा ब्यूटिशियन कोर्स से संबंधित प्रशिक्षण, **श्री राजीव टण्डन, बिजनेस डेवलपमेंट हेड, आरएसडब्ल्यूएम** लिमिटेड द्वारा टेलरिंग से संबंधित प्रशिक्षण, **श्री गौरांग दयाल जनरेशन इण्डिया (नैसकॉम)** द्वारा आईटी कोर्स, डिजिटल मित्र व डिजिटल मार्केटिंग एवं ई–कामर्स (गूगल) के महत्व के बारे में जानकारी दी गयी तथा **श्रीमती बीनू जयचन्द पार्टनर E&Y** द्वारा इस सुव्यस्थित कार्यक्रम की सराहना करते हुये पुलिस परिवार की महिलाओं एवं बच्चों को प्रशिक्षण में सहयोग एवं प्रशिक्षण उपरांत रोजगार के अवसरों की जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम के दौरान **प्रशिक्षणार्थी सोनिया यादव एवं वर्षा तिवारी** ने अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा बेहतर प्रशिक्षण प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में अपना अनुभव साझा किया गया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक कार्मिक, श्री शलभ माथुर द्वारा सभी अतिथियों, पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, आयोजन समिति एवं ऑन लाइन जुड़े सभी 18 केन्द्रों के प्रशिक्षुओं और अधिकारियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

इस अवसर पर श्री मयंक गंगवार सहायक संयुक्त निदेशक कौशल विकास, श्री के0एस0 इमैन्युअल पुलिस महानिरीक्षक/पुलिस महानिदेशक के जीएसओ, श्री मो0 इमरान पुलिस उपमहानिरीक्षक भवन एवं कल्याण, वामा सारथी के पदाधिकारी श्रीमती पुनीता सिंह (स्किल वर्टिकल हेड), श्रीमती बृजरानी स्वर्णकार, श्रीमती चेतना गुप्ता, डा0चारू गाबा (सचिव), श्रीमती आरती वर्मा, सुश्री अर्पणा गुप्ता पुलिस अधीक्षक, अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण एवं विभिन्न जनपदों से वामा वॉलन्टियर्स एवं पुलिस कर्मियों के परिवारीजन उपस्थित रहें।

Memorandum of Understanding
Vaama Saarthi
U.P. Skill Development Mission
Memorandum of Understanding
Vaama Saarthi
U.P Police Family Welfare Association
U.P. Skill Development Mission